GK पुस्तकालय ज्ञान का अभिलेख

एक ही सुर, फिर भी आवाज़ लहराती है, विस्पंद (Beat)

लेख का पता

https://www.gklibrarykor.com/hi/article/20339/

PDF लेआउट का नमूना - केवल अंश

क्या आपने कभी गिटार के दो तारों को एक ही सुर पर मिलाने के लिए एक साथ छेड़ा है और आवाज़ को “वूँ—वूँ—” करते हुए तेज़ और धीमी होते सुना है ? जैसे-जैसे आप ट्यूनिंग खूँटी को थोड़ा-थोड़ा घुमाकर सुरों को पास लाते हैं, यह लहराहट धीमी होती जाती है और जिस क्षण दोनों सुर बिल्कुल एक जैसे हो जाते हैं, वह गायब हो जाती है। थोड़ी अलग आवृत्ति वाली दो ध्वनियों के मिलने पर दिखने वाले इस आवर्ती प्रबलता-परिवर्तन को ‘विस्पंद (Beat)’ कहते हैं। सरल शब्दों में, विस्पंद का अर्थ है ‘थोड़ी अलग दो तालों के आगे-पीछे खिसकने से बनने वाली ध्वनि की लहराहट’। यह व्यतिकरण की एक घटना है जिसमें दो तरंगें बारी-बारी से एक-दूसरे को प्र